

# 

হরিভক্তি বিশংসান্তর্গত হরিবাগর দীপিকা।।

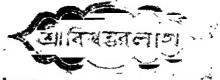
-73.23 !!

#### ----

ं कर न न्यू मारहर मिरनद अकामभीताः डेश्वाम क्दरशद्व विधि निर्गमः सारु

ाहरू हमान भाइन उनीतार्थ वक्कामुख्य किन्दु वाधारमाञ्च नारमञ्ज होत्री वादानि क्रान्त विद्वित रहेका

**ह**मानी५



(क्यांकार्ड) के विठा त्रज्ञांकत ग्रामारत मुखा कि है है व अहे भूतक साई।त श्रामान क्रेट्टक क्रेक ग्रामारत ठज्ज कॉन्सन लाक्स्वाहे

THE. क्रापुत्रका स्थान बनामनीय निर्मेष् क्रिक्ती एन भकामभी डेशवाय विस्मय मिन्स अब भून लक्टबन विकासकन्। के करें बारमी इसक्त्र হশমীর প্রকরণং अक्रोक्ष्मी प्रिमें कृष्ण विसंबी पिन इंडा नाबुद्धात्र मित्रम त्यादिन वार्यनी शीयुक सामभीत्र विवि क्षा बुक्त वाक्ष्मीरेट केंगेबान विकास श्वा भाग निवस अधिक ग्रंपनी वर

### अञ्च<del>क्रकरि</del>क्षनाम्आस्य नगः ।

भाष्टिश्चित्रश्राचिक मृशिक्ष ककनः वर्णीयुक्तानार बनर कार्यशीमृत्र प्रिकृतियो वर्णा इन्छ। नद (श्रम क्रिकाई के केंद्रिकां के स्वाहित केंद्रिकां दिक्षतियो निकल्य मन्त्राचित्र। (केंद्रिकां के केंद्रिकां के दिक्षति केंद्रिकां कार्या केंद्रिकां क्रिकां कार्या केंद्रिकां केंद्रिकां कार्या केंद्रिकां के

विद्यानिक शरात वृक्त ग्रामः समिन् निकृति पृत्राः वर्षाने विद्याने विद्याने

चरः महिन्द्रत्यक्षमाः खानाक्षम मनाकंत्रः । उत्तुकंकित्यः दिनः कर्णाः अहति । अत्र निवारः ।

করিয়া ইকল বৈছে বুদ্ধি গতি ৷ এছার এ করি ইবে শুন ভাত গাল প্রির প্রবন্দ করি করিব রচন।। দোব ধণ্টা থ কিছু নালতে আসার श्याय वेहे धन नाहि कहित्व विभागा आर्थि मूर्थ मृत्राधम अलाय **র্বিক্তিক। এছারত করিবারে হৈতেটি** সুসক্ষাটাদ পরিবার্থ रेन्द्रह का एक बामन । अन् देहका ल किवादि निति करत बन । किर्द्धान्त्रकात्र स्थात्र स्टेननारन । मुध्य यदि प्रकारेश्यं न दिः अधिका जन्मद्भारक कामनाहि न हिन गरकांत्र छया । अवत्र के ये न 'लामात ॥ नर्क रेवकरवत अन लाका किन्य गारत। करा की १०० विभ कांचा कहियारह ॥ बामि बंश कारू प्रम कि पूर्व नाव कि 1 रेवक बुख्याय त कर्तत्र तम्हे करिवानी ।। महे कामास्टर करि अप कर् कुन्। किंद्ध हम त्रिष्ठ के कहा कृति । अन्य है अक्टर है क्ट म**उदेश: श्रिमानः मीशिया बलि अ**ख जण्डा देवला :१ २० ।। करि ্তিন যদি দৰ্মত ভক্তগৰ। তাৰে লে নকল হয় হৈছে পাছিল। এবং क्रम शाचार्यात हिलिया हड्या इंदर्गन बोलिया करह स्थान লেশ্রন ম ইতিছারবাদর দীপিকারাং ঞ্জিরিভক্তি বিলাশ।নুদারি लाः इकामभी श्रक्तान खर्ताम दक्तम मात्र श्रम मर्गहा क्षमार्गक हें है कि विदाद कड़नशावड़ी स्नी करनी समर्ग शिष्टु मुमहरू। भागहमा प्रकालिकः। इतिः श्रु हे मून्तत्र मूर्गेष्ठिकमय मनीशिषः क्षि क्षाद क्षाद्ध क्षाद्ध की नमन। ब्रीहर्कना श्रम बन्त वर

मुझ बीर्याकः । मरण्काका कृतवाका मुझ निश्वास्त्र मन्द्र । जीक्षक रेठकरा निकार्यमा । क्यारिस्कृतक मन्न रणीत करू अञ्चल नमाक्षत कर्तक्ष्यमाथ । क्षित्रीय रणालाके है मान था अहे क्या रणांना क्षित्र क्षम्या हत्वन वस्पन । याहा रेहरं

বিঘ্নাশশতীত পূরণ ৷৷ এযুণ প্রাস্থাতন গোখা বুট চয়ণ : শুনা मा जनरत मृत कतिरत किलम । धकाममा भुकत्रव रेक्का किम श्याद श्रवाक कावा कन्निय त्याचेना । विष्क लाचाः ভিক্তি विलाम। विक्र भून्चव वाएं चारक व रेम्द्र कृतिकार्गा বুৰিবারে ন বা করে শাশা। শতএক প্রশাশ করি ন্যা লোক विविद्य रिकिक विनामक मार्क र मार्क वि स्था दिन স্বৃথিহনে বাতে :৷ <mark>প্ৰথমত একাদশীর নিতান্ধ বৰ্ণন</mark>ৈ

পিয়া কৈলা নিতা**ত্ব সাপৰে।।** 

তথাহি এইবিভক্তি বিলাসে এযুত গোৰাই का। शहरू थोन नवा विविधाल प्रक ভোজনগানিধেবার্চা করণে প্রভাবারতঃ । ইভি<sub>ত্রেশ</sub> জিক্তকের প্রীত আর বিধি প্রাপ্ত চার ৷ ভোজন নিবেশ প্রভারায়।। এই চারি হেন্ত কারিকাতে দেখাইলা দিপুরারি... -त्व (भारव विराम्यव कहिना ॥ शक्षम **रहन्ड क्यानारमह छोपेव।** ভাহাতে লিখিয়ে শুন পু**রান বচন।**।

তথাरि वृश्वाद नीसाक्श **रहिष्ठकि द्विणातः । वर्गा**नी अञ्चाम मर्ककाम कनाश्चाप्तर । कर्षरार मर्कश्चा विदेश विक् श्रीन् मकातन् रेडि ॥

क्रवाहमी वर्त नर्स क्षाबक्ष रहा अर्थक क्षेत्री पारक क्षेत्र मग्रा श्रथन (रखा को किस्स केवन (विक्री के विकि लोशका खन विवत्रन ॥

ठशोहि उस्मान**म्याः हान्य**ि विवासन् वर्ष

भरताण्या के विकास शारम्याख्य थरत। उठेकिर श्वाशीन रकारहरूकि। स्व १ व क्लिकार म काकवार मन्शास्त्र रहि

A NE PLAS

না কর ক্রের প্রাণে কোবন। একাবশী দিনে কভু আন কহি, বাং ভৃতীর হেজর এই করিল বর্ত্তন। চক্ষ হৈতর প্রাণ নিবরণ। একাবদী সকরণে হর প্রভারায়। তাহার ভথাতিশীপ পুরাণে যে ভার্থ।

ৰিছি । বিশ্বনিয়ালৈ হরিভান্তি বিলাবে। যানি কানি চ পাপানি ক্ষিত্যবিকানি চ অৱস্থানিতা ভিততি সংস্থাপ্তেহরি বাসরে। বিল্লান্য বাহ্মেতি ভূজানো হরিবাসকৈ ইভি।

बैंकरें छ। निक भाभ त्याहे त्याहे एवं । अकामभी नित्न करत व्यव त्य कामभा बकामभी नित्त त्यहें कत्ता न्याजन । त्यहें भव भाम छ। इ.सं. १९४ ।

क्षारि विक भरमाक्षत रतिककिः विकास । जकाति भूगाना का जीन क्षारा किया मध्या मध्या कालियाति मुकान क्षारक कामाध्य स्मय विजेशि ॥

# · die sitani

भाव कि श्रिकाही त्ये हम्सू उथावि श्रीक्षणा अकामहा में स्थापन । गृह्द दे कि देवी व श्रीह लाग्न स्थित था। अकामहा में स्थापन । में स्थापन । स्ही बुक्रां वो वानक्षण गृहिका। क्षा स्थापन अस्ति। निर्देश

क्योह शास्त्र उत्वर्थ खोळ व्यविक विकास । वन्त्र वानामान के विकास व्यवस्था श्री मान विकास कर के लाग मान कर के लाग मान कर के लाग मान कर के वाना कर के लाग मान कर के लाग के लाग कर के लाग के लाग कर के लाग के लाग के लाग कर के लाग के लाग कर के लाग कर के लाग कर के लाग का लाग के लाग का लाग के ला

তথাচ কাত্যায়ন মৃত্যুক্ত হরিভক্তি বিদারে। শক্রান্ত্রি কোমতাঃ অপুর্বাদাতি বং সরং। এক দেশ্যা মুপ্রবিদ্ধান প্রকরো বাভয়োরপি। তথাচ নার নিয়েজেং। অত্নর বিকো সতাঃ অলাতি লহিপ্যাতে। যোত্তে সামানের ক্রে বিকোরহান পাপ্রধাননে ব্যাহ দশুক নির্দ্ধান দশভ শ্যানে। এতকাৎ করিগানিশ্র এক দশ্যা মুপোর্থি। ক্যানিরোবা নারী বা পক্ষাে বাভয়েরিপি ইতি।

अमेर्निथित समीच दरमङ अग्रेस् । तुमः सन् भूटे श्राकः करि दन वड ॥ उथ्याम ना कदिएम कराइ । सम्बद्धान । महाश्रीको सन रमदे मास्त्रित वहन ॥ समास्कृतक श्रीकिश्चित्व (क्रिके करान । महि

क्यारि वार्षेश्रिशिको । सन्ति । अन्तिसि । इन्तिसि

कार कार्किक क्यां निता । श्यामं वा काइत्य प्रमान वा कवा क कार्किक क्यां ने क्यां क्

राह्यात्राक्षके विवासमा अममर्थ महोत्रमा दुर्ज ना महारा इत । काहरत मर्थामहोक भूष्य ना विवसानि छः। क्रिमी कुञ्जिक वालि वुक्तमा म मुभारक हेकि।

অনী বিশ্ব তাথে বৃত উপৰিত। পদ্ধী বা পুথকে কৰে করাই বৃত্ত মুক্ত বাহি কয়। তথাপিছ দেই বৃত্ত মুক্ত বাহি কয়।।

বধানকান্তান্ত্রের এক করিছজি বিকাশে শিক্ষাত্পতিভাত। বিশ্বেক বিশেষত: উপবাসং প্রকৃষিন: প্রত সভ ওপ ভবেও বিশ্বেক্স হাতে পতি ভাতা বিশেষে গ্রাথে । উপবাসে শভ গুণ শ্রাক্ষা প্রায়ে ।।

कालांत्रि शांत्रकणात्रः। सांकारश्य लाहाबाद्यः रहित्र कि विशास

### र्ग विकासी विकास

এক ভূ क मरक्रम बान वृक्षांचूत किरणेर । शरता मुरल्पिकन वाहिती मान वामिका चरवर ॥

बामा चाजुर वृक्क एक नव जन । कामनाहि भारत करिवारत है भन में इाटक श्रेक कुछ १००० वृक्क निम रेमर । किया एक मूक मूक्क काल के क्रीकिया। उपयुक्त काल मा करित कर्णाहरून । बहेमक इदिस्टिक कितिया। अपारत ।।

তথাচ বোণায়ণ্যত্যক্ত হরিভক্তি বিলাসে। উপবাসে তাশকানা। নির্মাতে ক্লক্ষাবিনাং। এক ভুক্তাদিক কার্যা নাহ বোধায়নোমুনিঃ অশীতহার গনউপবাদে শক্ত নয়। এক ভুক্তাদিক কার্যা করিব নিক্ষা

কিক্সভাবিতিঃ পরিভূতানাং পিড়াধিক শরীরিণাং । কিংশ দ্বীধিকানাট্নজাদি পরিকশানং । অসাটীকা ।

तिः भेषिको निमिष्टि वृष्टि द्वारताख्याः वश्र हेव्। छ। छ। बाह्यस्य । अम विक्न तर्वद्वविकामाः नवि तश्रमा मिछ। थः।

জ্যাধিষ্ক পিড়াধিক হয় যে শরীরে। শশীত পরে বুজ্যাদ, ক্রেডেনা পারে ।। রাজ্যাদিতে শনুকল্পথে বিধিকরণ। তাহা ক্রেকেরিধেন ক্রত সমাপণ।। বসনীতে শনুকল্পে ভোলন খেন। হয়। ক্রমকরি লিখি শাস্ত্র মত ষেই কয় ।।

তথাৰি ৰায়ব্যোক্ত ইরিভক্তি বিলাদে অথ বিশেষ্তান্ত দিকং নেকিং। ইবিশান মনোদনহাকলং তিলাকীয় নথাযুচাৰ্য মৃত প্ৰকানসংখতি ৰাখবাৰ্থ প্ৰশন্ত ৰ্যোন্তর মৃত্রক।

बाटकहरियान किया त्वरे भारतामन। क्ला किया विकाकोग्नः भार वा कामन॥ युक अध्यादा किया बाबुरकः क्राक्रिक केन्द्रार धर

#### MANUAL MANUAL IN

শ্ৰ-প্ৰ কৰা বিশ্ব কৰা হৈ কলা কৰিছে। তাহাতে লিখি য়ে খন সকল পাভিত ।।

मुक्त मुख्य का मृत क्षेत्र शिक्ष हो । बुक्त ताव हे के किया । क्षेत्र महिल्ही है वर्ष स्वत । क्षेत्र के बुक्त नाहत

व्यानियात । कामाण श्रेषणार्थी छ । इति जि विवास । यह भारत इति में में की श्री विविधिय । यह स्वी कि उह के विद्यार । इति विविधियात प्रति विविधिय के अपने । इति विविधिय के स्वी कि विविधिय । विविधिय के स्वी कि विविधिय के स्वी क

क्षेत्रक शहन नार्क क्षेत्रा हानी हिरा। चिक्कित क्षित्र के वित्र के विकास कार्य कार्य के क्षित्र के किया कार्य कार

# THE PROPERTY OF

उशाह छक्षमा तरता कि इतिसक्ति विश्वामा । गाई उन मक्ति विशेष दातिनार भोताप देन। इक्थि नर्स शाकामार मिसिटिक विशेष किथि:। मानापूर्व ममाकीरन नर्मारह महीमकि। बकार गुणिका नि यह स थना गढ़ विश्वाम।

वाका हिल्लावी रेगाक वाकारका शृक्ति। केमानाका कां कांक्र रेगाक द्वाती वाक्ति। रेलाक वाका लाकि अनामकी रुवान हैशारक मन्मान माहि का निकृतिका ।। मानाकु वर्षमृत्कित्यता अका मुक्ते काता। तमहे कन वृक्तिमान थना अन-माखा। कांक्रा क्रम् क्रिकेट्य विधि केन्न । स्मान्न मृत्के नर कार्यका क्रिक्त वन्न ।। क्रिकेट्य विधि केन्न । स्मान मृत्के नर कार्यका क्रिक्त वन्न ।। क्रिकेट्य वाचा मि ।। श्रिकेट्य मृत्य क्षित महिकटण निक्ति । क्रिकेट्य वाचा मि ।। श्रिकेट्य मृत्य क्षित महिकटण निक्ति । क्रिकेट्य कांक्रिकेट्य क्ष्रिकेट्य मुक्ति क्ष्रिकेट्य क्ष्य क्ष्रिकेट्य क्ष्रिकेट्य क्ष्रिकेट्य क्ष्य क्ष्य क्ष्रिकेट्य क्ष्रिकेट्य क्ष्य क्ष्य क्ष्रिकेट्य क्ष्य क्

ক্রিনের নির্ব। শতঃপর কহি শুন শর্ম সহাল্য।।
ক্রথাই পোতালী কারিকা হরিকান্ত বিলাগে। একার্ট্রাই সংশ্র ক্রিয়েতি বিবিধা ভবেও। বিজা চ ত্রিবেণা ভব্র ভাল্যা বিশ্বাই ইবিকা ইতি।

न्द्रभूरे का गंगी परका बका गंगी का की वका मंगी हम बहु कि विशेष एका है। बिविशा खेकान विका बका गंगी हम । मुख्य विकासका मनी रक्षित विकास

क्या है क्षेत्रियन कर है है कि कि विश्वास । जान दिसा है या गयी क्षित्र कि कि नक्षण है क्षेत्र काला जाने विश्व है के कि के कि विश्व स्थान श की बच्चा कर कार विशेष करें ते का ति करें हैं। अविशेष भी कर राहे ति का ति मन्यों 11 डाटक के शवान नाहि करें देश शिक्ष हैं। शूर्व विका उपनि किर करके माञ्चमारक 18

क्षां नातमा श्वाद्यां हिताल विवादन । उकामनी उथा क्षां क्षां क्षां मात्री हरुसंभी । ज्ञाता हरुयी ह व्यादना केंगा क्षां क्षां क्षां भागा व्याद्यां क्षां व्यापना । ज्ञात क्षां व्यादना । व्यादकामनी वृक्षे कात्र (भोगानी । ज्ञीता हरु थी व्यादना । हरुसंभी । ज्ञात्यो প्रदेशका उच व्यक्ता । श्रु विका क्ष्यं वान व्याप क्ष्या । त्यां क्षां क्ष्यं स्वाद श्रेम । व्यापना क्ष्यं । व्यापना व्यापना ।

उथानि तुचा त्वहार्थ छा। गतिष्ठिक विकास । काशानिश (वसन) मार्का परिकालकः । काकातिस्था विद्योगितः श्राचनमा मनिस्य मनारदाकाणि उद्भव मुगारक कान मृगारक। जुतीसः उद्धाव विस्ति। प्राथि महर्ग)। मारा वृष्टिः देखि।।

लाका कि व्यक्ति प्रस्तान काल। (महे काटन क्रवान में) दर्श के क्रिलान । क्रिलान क्रिलान

### र क्षेत्र मंत्र में निही।

क्षेष्ठ कहिन अस्य (क्ष्येन विखेरत् ॥ विश्व) क्रीन स्विकात् कत्र व कथन। स्वाद (यव) किल् इस स्त्रिस वर्ग मृ।

हवाहि नावपीरमाण्डर देविककि विभाग । गरावर्थाण विद्याल मन्द्राकामभी जारबद्ध मूंबंब विन्तृना व्यक्ति कन्नर भवा मन्त्री मध्य । गरमार्क मन्त्रीव दवक्ष पति बारक । गर्मा इक्लाम रेटरक महित्र । गरमार्क मन्त्रीव दवक्ष पति बारक । गर्मा इक्लाम रेटरक मूद्द विन्तृ नारम ॥ वक्ष बाक्य विद्यार्थन य विशिष्ठ । ठाइनि

खराहि इदिलक्षि विभाग क्षेत्रं वृक्तं वदार्ख श्रेकद्र शिवर । वस्त्रः, विद्यान हिंद्या विकास क्षेत्रं विकास क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं विकास क्षेत्रं क्षेत्रं कि विकास कि विकास क्षेत्रं कि विकास कि विकास क्षेत्रं कि विकास कि विका

(कर करन विका अकानमी मिकर्डदा। (कर करने विका ध्वनवमी) भकर्षवा। डेज्यात विवाद एटाना नय निक्या। क्टार्केत व्यक्टें मिक्या नाहि नया। बानमीटा हा विन्या भाव विनिध्य। अस्त्रीर्थे भी निम्न छथा भावन कर्या। बानमी सम्भी ब्रुका नरें डेल्यामन छाहाब खगान निधि क्यान् खबन्।।

क्यों कि शतकां कि विशास ना तरी है। क्षाप भी नाम के कि कर बत्र मारत श्रिका ने क्षाप्त महाराज्य में निर्देश में कि मानि समारी वृद्धा अकां कमी त्य मारत अश्वा कि मानि मानि श्री है मानि मानि मानि मानि मानि मानि मानि के हैं। इस् सिन (महे मात्र आहा कक्षीर)।। स्व श्री श्री शिक्ष कि ना विद्या कि ना विद्

पर्वशिष्ट विद्यारमे निक्ष्म या प्रधान में एक के शताम का ब्रव । विकास के विद्यान के विद्

### संब मार्ग नकरन म विका नकन्।

भर्गुनी मक्टल कार्नि विकास मकना अञ्चल गर्गुनीत शक्त

हभारि कैंग्लांखर इतिएकि विनाम श्विष्टिम श्रिक दिना । इक्ष्ण मुम्बाखर । मर्म्मा विधित मन्द । इति । मत्र विख् । । अखिल मानि लेक्सम विधित मन्द । इति । अकाम नी कवि वा वर्क्षत । सूर्या प्रमात हिन्द्र मृत्या क्षित वालि । इक्सम हिन्दि श्रे मर्म्मि शालि । अकाम नीत मर्म्मि । विद्या किन्द । ठाहाक अमान निधि कत्र कर्म । । इश्लोह जाकर छोकर हिन्दिक विनाम । केस्सर श्रोप्त श्रोप्त विभू कर्क हम मर्मक । सर्में र्वक क्षित विनाम । केस्सर श्रोप्त विभू

कर्क हत मध्यक। जिल्लाहर्ण कामानी नाम उद्देशकातरम् गृही । अक्षिम्य विमुक्क सम्प्रतायम् मध्या। शत्र विम अक्षातामत्र श्रम्भा । महाशिक्षा ॥ निक्ष विम विमादाद्यि धकावभी चाटक। उद्दर्भ पृटेन काक्ष्मी मध्या कवि सारकता सक्षाताम देश रख्या गिर नर्वा कत् च्या हि श्रिष्ठ कि विवारम छविष्याख्या अकरणावरम् वर्णमी गृह्म गांव ६ छर्द वृष्णि । छ्ये यु १ उद्भूषं छुम वर्णमीय ६ नदाशित छ्ये यु १ नव्यामि बाद्रां विष्ठार्थ छ्या उत्तर ॥ ध्यम व्याम । ध्वम ग्रम ग्रम क्षा विष्ठार वृष्णिया। विष्ठा द्रिया कर्छ्या कर्छ्या कर्छ्या कर्छ्या कर्छ्या कर्छ्या कर्ण्या । ध्वम व्याम श्रम ह्या विक्र मन्त्री वित्र याक्या अकरवा । द्रिवर्शन भारत्र जारा क्या। अकरवास्य क्रा वित्र प्रा वित्र वि

डाद्ध। यद्ध (जहां शिव जादह माटख्य विश्वाद ।।

क पेड कार्युक्तर मृद्धिकि विनारमा करूर्याम्य विश्वाद मानी

मध्यक वित । कर्डाक्षः वा बापमीमा बरवाम्य ।।

क्ष्मर्थानम् (वर यति इत्र क्षाम्यी । स्टि क्ष्माम्यी कर्याद मानि कर्या

কিশ তবিবোজিং। দশদী শেষ সংখ্যক্ত খদিন্যাদর:।।

৮বং। বৈক্ৰেন্ন কন্তবাং তাদ্ধিক দেশী ব্ৰত্থ্য
শেষ দশনাতে যু ক্লক্ষ্য উদয়। একাদশী ব্ৰত্থেগ্য বৈক্ৰের নঃ

এইত কহিল বিক্ল ত্যাগ বিষয়ণ। শুদ্ধা একাদশীর ভাইন ভানঃ
ক্ষার্থ্য

कथाहि श्रिक्षि विभाग शाक्षिमीकात्रिका। अथ प्र "विश्वामी शृज्यकातनी स्थित । अथरका विकिशासि "विश्वामी शृज्यकातनी स्थित । अथरका विकिशासि "विश्वामी अधिकार्य । अस्ति ।

े दरमिट विशेषा भूनी धकालमा रहा। भट्य विशेष टेहरण देव ए त

गरको सम्बद्धियम् ।।

क्षिक निर्माक की निर्माण विकास मान्य होने ना कर्म कि कि कर वसी मार बी/दब्ब के स्टार्सिट । व्हिना दिक्क विकास कि कि कि कि स्टार्सिट था। विनादि

তথাহি বৃশ্ববৈশ্বতাতং হরিভতি বিলাগে। বিষামারল নীং আছ ভাজাদাভ চত্তকীয়ং। নাড়ীনাং তেউতেসংশ্ব বিবল্পিক সংজ্ঞিত ইতি।।

श कि । विशेषा कि त्रियो या कि । श्रा कि । श्रा कि । श्रा कि निव कि । श्रा क

विकि अस्तिवानत जी शिकानार आस्तिक कि विनानान नाति।। ध्रेमाना श्रेमाना श्रेम

## र्जियागतः शीलिका॥

व्यक्ति महा भावभीता मः छा। कहि श्रीत । मरमत मः व्यक्ति छन मक्ष्मी

ख्याहि ख्करेनवर्षः कुर हिन्दिक्तिनारमः छेन्। ननी न नक्ष्ति । क्षिण्मा शक्कवर्षिनी । क्षप्ता । विकश्च रेठन व्यवस्थी भागनानिनो हेनि ॥

তথাতি এমাবৈ হর্ডোক্তং হরিভাক্ত বিলাগে ॥ একানশীত । নংপূর্ণ বৃদ্ধতে পুন রেবসা। ছাদশী নচ বর্ষতে কথি । ভালুক্তনাতিল হাত।!

क्रापमी पाकिन अध्यिक्ति को नज्ञ। शाद घाष्मी व गरक पित राजा इत्र ॥ উপবাস देव रम हे बाममी व फिरन । मस्तापमी फिरन छथा। इत्र शाहरिका डेक्ट्री जनी उठ अहे कहिल जिन्हा । ब्राइटी खरडब हैर्द खनह जिल्हा।

विश्वास्य कुष्णितवर्ष्णिकः श्रीद्रष्टिकः विशास्य । धाषर्मातः विवर्षः । स्टारेवकाममी यमा । पश्चनी विष्णुक्षस्य के श्रिकाः भाभवामिनी ।। कथा । कानिकः भूदारशाकः श्रीकृष्टिः । । विशास । धकामभी कृष्णुः भारत्वा । कामभी करवः ।।

# हतिबानत नीशिका है

किर्माना पानमी एवं विविद् किथाना है। उथानि करि विशेष्ट्र के विविद् विवास । उभागा प्राप्तभी स्काषान ना देवर भारत्र । विश्वासार वस्त्राममहार देवा रा विक्जा

পিৰা। ইনিন একাদশী হ

क्षां हि अक्रेबरर्खाकः रहिक्छ विनामः व्यक्रमः एव नामाना प्रापनी नकनः पिनः। व्यक्त व्यक्षाननी श्राप्तः विन्तुना ना स्टब्सिश हेलि॥

তথার্চ নারদীয়োত্ত হরিভক্তি বিলাদে। একাদশীভাদ শ্রীক র'বিশেষ এয়োদশী। কিশুশা নাম না প্রক্রোর্ক্ষা শ্রীণ ব্যাপাহত ইতি।।

क्षणिमणी धामणी तम आह अस्यामणी। अकृष्टिम जिन विधियित कर लागी। तमहें जिल्लामा पिटन देश छेश्वाम। शृद्ध अकामणी किथि कहिया रेमझाण। अस्यामणी पिटन छेथा शाहन तिन्त्र । िल्ला स्वा लक्षण के भावज्ञ क्या। शंक्रविक्षी हे हेर्द्ध छन्ड गणन। अक्ष विक क्षण छन् गाम महे जन।।

क्षिणीर गुक्ताविवर्णाकः रजिस्कि विशासना कृत हारक समाकृष्टिः शकारण शक्तविभी। विशासकामभीः ज्या

# रक्रियोग्ड मोणिया।

कामनी न मूरमानदार । उवाह मीरमास्कर रहिए ले दिना ता भग या दिए वा भग निर्माण कामरे यहाँ विकाह विविद्याल प्राट्य প্রতিপদ্ধিत । अवदम्ध वृष्टि खना मान

क्छ दाका वाणिवश्च थाकि वृश्व व्या वृष्ठ शक्क कियो विक्रिकोशी क्रिया करिया करि

দশন ন দিবস একাদশী অন্নতোদনের প্রক্কালে পরে একাদশী দিনে অন্তল্পায় কালে দাদশী বদ্যপি প্রাপ্ত হয় এনন হতে গাক্ষবিদ্ধনী হয় দাদশী তিথি কমে বিদ্ধি ইইয়া অমাবদা। কিলা পূর্ণিশা ফাটি সন্ত ভয় পরে প্রতিপদ্ধিনে কিছু তিথিয় সং থাকে এমন স্বলেশান্ধবিদ্ধনী হয়।।

अथ (वर्ष विश्वीतानि भूनीरेहका मनी विश्व अधारक वृश्वि गामिका भविकारिक विकारत । भूनी वक्ष मकरना मात्रक्री भेना जिला महर शेव्या

ज्योहि तुक्क वदर्श कर इति कि विमारम । सथ अटक अयुक्त मर बुङ कर्यवाजी यथा। य सामीमा ५ ठकू कृ ना ६ कथा वा कर निक्ताराजा।

करा नाम मानभी ब खनर लक्षण ( मर वि कर्ष ( मरे मांक मिकलत। क्षेत्र कि विकास । को क्याए

## হরিবারর স্টাপিকায়

कृतिहरू भरक समस्यपि शूमकेन्। नाम्। माठ् सप्राथा।ठा किनिया गुरुभविकेन देखि॥

खना मामनो यमि शुनर्जन्यात्र । सत्रानः खीनरायु छ करिया उ। गर और किश समायु एवस नक्षा दिस्सी बृट्ड्यू कर समर । स्वत् ।। अध्यादि विस्थित्या सर्वाकर स्तिष्टक विनारम । स्वाड् े स्वत्रमानन्यार नक्षर खरक खरद । छन्। नाड् महे श्रीया प्रमामनी विस्ता मृठा है जि।।

मामनी शक्तां श्व स्वनक्षं यि इस । विश्व सा प्राप्ती दिन छ। इति । क्षेत्र ॥ विषया बुट्ड अहे नक्षण कहिन। अत्रती नक्षण मृत । विष्ठु बुक्ति॥

র তথাহি ব্যাপ্রাংগ কং হরিভক্তি বিলাদে। গদাপ্ শুরু - স্থাদনাং প্রজাপতাৎ প্রকায়তো কয়ন্তা নাম শাংগ্র ক্র নাম পাপাহরা তিথিঃ ইতি।।

्रें मिंगामना त्रः युक्त हाराङ त्यांक्षी। अवस्थी मामनी व म मर्थाभा भौषी। मुब्रेसी पुरस्त हरे कविन नक्षा। भाभनानिके कत नक्षाम्

ভথা হ বুদ্ধাপুরালো তথ হরিছাজ্ঞ বিলাগে। যদাতু ছাল ছাদশানং পুখাৎ ভবাত কহিচিৎ তথা ৰাতু মহাপুনা কথি ইলাজা পাপৰাশিনা ইতি ।।

कुम्मान भी एक यहि मुखा रम यूक्ता महामान क्या शानिना निने कु छक्त ।। मक्त कहित कहित क माठवन । मुकार धमत कथा छन कियो सन ।। क्या का कि मामिनी से बुरुक निम्मे । जाल किए छन भाक्षमक (सहे रम्न ।)

# इस्तिमत्र मीर्थिका।।

তথাহি পাঁলোজিগ্রারটক বিলালে। তানাকৈ দিয়নার ভা পরিভ্যান্যধিকানিচেও। শ্রাশ্রান্যানি বাসভভা ভোগীশাং বুডোটিনী ।

ट्रिंग के में से अस्त कान देक ना शिक्षा । जा पंत्री श्रीक दे में निर्मा के का स्वार के ना देश । जा प्रियो निर्मा के सिक्ष के सिक्ष । जा प्रियो निर्मा के सिक्ष के स्वार के सिक्ष । कि का प्रियो के सिक्ष के सिक्ष । जिल्ला के सिक्ष के सिक्ष के सिक्ष । जिल्ला के सिक्ष के सिक्ष के सिक्ष । जा के सिक्ष के सिक्ष के सिक्ष के सिक्ष के सिक्ष के सिक्ष । जा के सिक्ष के सिक्

ल्याहि शारम्। किरे स्तिष्ठि विनास्म । किशा मृद्यीपत्राष्ट्र भूदिः श्रुविकानि। धिकानि दिन्। मयानि वो क्षणे लगुवार

उथाहिना किर इति कि विनास । सन् वा किति क्रिय में क्रिय के क्रिय क्रय क्रिय क्

# হরিবাসর বীলিকার।

তুলিকে প্ৰক্ষণ বদি প্ৰক্ৰু। নাৰা বাতু অয়াখ্যাত। তিৰিনা স্তৰ্ণিতিথি ইভি।।

শুক্রা দাদশা দিদ পুনর্মস্পায়। ইরাসংজ্ঞানহার্ড কহিল জার। বৃত্তের সকল। বিশ্বা বৃত্তের কর লগত শকল।।

कथारि विजूपार्का करताकर रविकाल विकास । नृपाङ्

क्षेत्रम् प्रमाण मकरायाक्ष छत्द थ। छम। माजू वर्शेश्वर

अमानमी दिनवा मृठा हेलि।

कृतिकी । विकास बुट्डर अहे नाम क किना अपने किना क्रिया । विकास बुट्डर अहे नाम क किना अपने क्रिया क्रिया क्रिया

তথাই বুকাপুরাণে:কং হরিতজি বিশাসে। গদা তু শুক নদুগদনাং অব্যাহাত প্রসায়তো কয়ন্টা নাম সা জে স্থা স্বাম পাপাহরা তিথিঃ ইতি।।

विक्षापमा एक युक्त वर्षक । ताकिनी । सम्ब्री माननी माम महाना क्रम्यो ॥ मुम्ली युक्ति वह कहिन नक्ष्य । माननामिनी त क्रम् सम्बर्ग मुद्दन ।

ত্রখাহ বুলপুরালোক্তং হরিভক্তি বিলাসে। যগাতু শুন দ্যুদশ্যাং পুষ্যাৎ ভবতি কহিচিৎ তথা লাভু মহাপুন্যাকথি তিন্তাপাপনাশিনা ইতি।।

स्वस्था भोष्टि महि श्या रम युक्त। महाशाल क्या शालना निनी इत के कि ।। लक्ष करित करित क शितुक शाहर्य । मूक्कार बनद कथा रून निया मेम ।। क्या का कि नामभीत कुरक्त मिल्ला। मार्थि कि सन भोक्कार (यह रम्न ॥) ভথাকি প্রিয়াজা করিভাকি বিলালে। ছালাকা সম্পার ভা পরিত্যান্যথিকানিচেৎ । নাল্যান্সানি বাস হ

मृत्तीत छम् अस्य कान दक नी शिम्ना । माममी थाक स्व यि न श्रमा श्र के साम प्राप्ती श्र के स्व या कि न श्रमा श्र के स्व या कि स्

उथानि शारमाङ्गिः इतिचङि विनास । किशं मृद्योपग्रादः भू हर् कियाता प्रकानिक । गमानि वोक्षराभागः

্তুভ্চিরণ যোগ্যতাইভি।

किश्र. गर्फ शकावत देशा क जा हा। वाक्त कि कि कि मर्का मर्का के का कि सा गर्का के कि सा कि हा कि सा गर्का के कि सा कि सा गर्का के कि सा कि कि सा कि सा

### विद्यागत हो शिका।।

্লাছে ভাৰতৰ । অহদুহত ভাৰা আৰি করিব বিভার। যে কিছু ুক্ত জিব কৰে নিভাতের নার।।

ভিত্র কার্ছিলেৎ গারণংভঃ। তাবেস্যাকেবিথিন্যার ি কিবি মধ্যেত্ পারণংভঃ। তাবেস্যাকেবিথিন্যার

কাৰ্মীর সংশ্ব নক্ষের যোগ রয়। ঘাটিবল পাকি উলটোত ড্বা ইয়া নক্ষের নূন হয় তিথা। দিক হয়। কলাতে পারণ তথে কতি ল নিক্ষা। ছাবশার নূন হয় থকা যদি বাড়ে। ছাবশার মধ্যে তথাপারণ আচয়ে।। পুনর্মসূপুয়া যোগে পারণ সিভাত। এইত ক্তিল উভয়ের অভিমত।। গ্রেহিনী শ্বণার হিছে গ্রামত হয়। বিস্তারি ক্রহির ভাহা যে কিছু সাছয়।।

ভথাহি পাৰ্যোক্ত হরিভাক্ত বিদাসে। নাদসা নন্দ্রে। ত্রুক্টো বুক্টাচ্যুত সংখ্রে। তথ্যে পারনং ভূছে। শেষয়ে। ুস্তদ্যিকনে ইভি।

कि मिन्न वार्ण थारक मृत्ना (जाहिन)। शूर्यंट माननोत्रमनाशि वित्र मानि। वाणित्र शाकि श्रेक शर्म तृति रेम। श्रे नक त्ये अ कर्णा भोत्रन निन्ता। शूनःक्षेत्र श्रुष्ण मृद्दे स्मिन (य त्रिकः। केन्द्रत्व कि क्षित्र भोत्रन कि क्षा। विक्या तृरस्त विधि वस्त्रिम रेम। शक्ति कि कि विश्व कि कि विश्व कि कि । कि मा कि हिएम श्रुष्ण कि कि । रवा कि ते व महत्वास कि हिए हहेन ॥ मृत्न विश्व के हिल मृह स्कर्ण विक्री कि मुन्न विकास मिन्न भा कि विवास भा

क्षेत्रीह शास्त्राक्तः ग्रिकिक विनातः। नुवल्यः गनव्ः वीत्रवातमारः गमालकाः। श्रवाशमणि व्यव वृष्टमा চিভতা ভবেং ॥

भृत्। अ शृर्ति इत्र व कि इ क्या । (सह व क्या कि व कि व्यवनी की व्यवनी की व्यवनी की व्यवनी की व्यवनी कि विवनी कि व्यवनी कि व्यवनी

१/उ श्रीवृतिवागतं मीशिकारः विविधिकि विनीनानु गरित्रपार क्रांमभी द्वकद्रव्यं मध्यिष्ठ तमी श्रीकृत्रया मवाके प्राप्तनी वाठ मान निनर्श्यामाम वृत्तीस्थार नर्ग ॥ ७ ॥ भारतक्षणश्रीकृत् वरम्य वद्य श्रीमानुस्वीय १७३ । नश्युवराज्या क्षेत्रपुष्टा वक्षाः निकाल मसीलन् ॥

লয়ত প্রতিভাগা জর নিত্যালক। স্বাট্রেড চক্র নায় ক্রিড ড বক্ষ ইবে কলি দশনীর শুল প্রকরণ। সংব্ধানে শুল ইং বৈশনের শল্যা দশনী নিব সায়ত কর্ত্ব। ক্রেবা। বৈদ্যাল গালের তীয়া অনুসায় শোতবা।। এত সাজ্ঞ পূর্বি নিল বে বিধি করল। শাল্রন কহি শুন সে সব কথন।। হরিভজি বিলালের স্তাবলন্তিয়া। ক তব কিলেশ করি শুল সন দিয়া। প্রতিচর্তাল নিতা ক্রতালি স্বাদ্ধ প্রিয়া। সুবেশ হইব ক্ষোর কর্মাণি করিয়া। কেতি বস্ত্র পরি এতের সংক্ষ

তথাহি হরিছজি বিলাসে গোষামা কারিছা। প্রাক্ত বানাদিকং কতা স্বেক্ষী ক্রেকঃ। বতং সংকল্প কুর্মাত বৈক্ষব চ মাহাং সূবং। তথ্যসূক্ষ্ণ মন্তঃ। দিশ্সী े निक्कांत्रका अतिरयाण तुक्र क्या निमिन्द भव रमस्यम् ति निक्किंग करू रक्षेत्र ।

मन्दर्शक क्रियो या कि एक अब निवर्कत । क्राइत क्राइ

্ভাষাই নারদায়োজা : বিভ ক্তাই ল্ডেম চলত ঘটনাত লাকে ত্রিয়াল নিহিছিল : ১ জিবাইন লাইন্ বিভাৱ শাস্বতিহাল

किया कि नाइ मीरशाकः महिला विवास हिला हेक । विकासि के शामा मूला वया जिला। कला से कही वाचा सार्थकः किलामाहिकाः। यो किया किला का मुनकः स्विद्धक कहा । कला रेमका नामाद्ध शामा प्रतिकाशिया भाषानुक्क नाइक भागार्थ कही कही। शिशानी सहीक रेमका शामार्थक मृत्यकः। स्वित् कहा मुना किया कि कि कियान।

बालामी विवेदन । यदय निदंष्य आहमा विकासि व दिवाला अयङ । यहे

#### APPRINT SIE TIL

হয়। কাংসপাতে ভৌজন আলো কেয়ানিক। সগু মা । সসূত্রী ক বিবজিব। পরাম তোজন লিপী কিক দুখন। শিলা পিউ মৈঞ্ করিব বিবজন। শাক মা শাক বিশিষ্ট মিঞাকথানা কহিব। দিভোজ আর পরিশ্রম ভিয়াপিব।।

তথাতি কানোক্তং হরিউভি বিশাসে। কাশ্যামাংশশ ।
মসুরঞ্চ চলকানকোর দূবকান্। শাকং নধু পরান্ধ ভালে ।
প্লবসন্ প্রিয়ণ্ড কিঞ্চ। কাশ্যামাশ্যাম্প্রান্ধ পুন ভোজ ।
ন নৈপ্নং। শিলাপিউফ শাক্ষ দ্দ্দ্যাং প্রিবজ্জারে

धकानाति व्हेरतक मम्भी निवास । मस्थावन कतिबंदम खालेरमञ् भाषा । धकामभी निवास माहि मास्त्र थावन । धाममा गर्भ माना मृथ् श्रकानम्।

তথাতি সাভস্য উদ্ধ হরিভ ডি বিলাণে ।। সশস্যাসক ভুক্তপ ক্রীত নিয়তে জিয়া। মাঁত্সা দল কাতত খাদট্য ভুক্তপ

এক ভুক্তের কৰি শুন ভোজন নিরম। দীনান্ধ শতীভ হৈলে করিব ভোজন।।

न्ववाहि (भाषामी कातिका। विनोध ममदाकी एक क्यों एक निम्नामन वर । এक कूळ मिकिएक्षा कर कर्डका कर आम्ब्राहर । ममभीत शकत विकास मालन । साञ्चल एक्स्मिक क्रिका दर्गन ।। सन्विका शाषामात काविमा एकन । इतिकासक क्रीक्रिका करण इसीम (भाष्ट्रन ।। महर शैरेत्रका का निकानना । क्यारिक तका का भीतकक वृत्ते कर्णवान निक्कत क्रिया नियन। ब्रोहास्त श्रद्धमानना देकर्वत भन् श्रीका सामकृति हति क्रिय क्रिया व्यक्ति। वादिश्व जानुभाव क्रिया क्षेत्रका क्रिक व्यथिक वृत्ति मध्यालिक रिया क्रिया क्रियान क्षेत्रका क्रिया । यहाशस्य काष्ट्रभाव क्ष्याय देवेता। मञ्चल क्रिया

क्षांक्र कालान । क्षांक्र आलांक काविन। व्यक्ति विनातन। श्रीकः श्रीक्र कर्मत्रक्षा ह कारकः वश्री विश्वि क्षांक्र अस् श्रीक्र क्षांक्र वस्त्र माहरत्व अस्ति (क्षांक्रांक्र क्षेत्रक्र)

काल के नरकल्यार नुषाम

তৰ শংকশসত ৷৷

The fight of the property of the first

্রানি মানে। তালে করিব মার্চনান প্রায়ক্ত পরে। এই সমস্যাস প্রায়ি কর্মান বুরিনান স্থান প্রায় ভারিত

का किंद्र श्रीपद्या

क्यार विषयी भविना।

#### संस्थान ।

चडक बशवडडा। श्रीकृतिही र नामेशा निस्तातिकागमात्र वेश्व वामभारत्वस्य। डवाहिक्रकुक सारमा

मर्श्वा (मर्याम्यः छङ्गाशक्तार्युष्यः। मार्यायः वि

क्षेशवाम मक्ति धार क्षेत्र स्वत्। मार्स्टिक्टि कि सम नाइत विमन शांभकाल क्षिणकाश कित्रा निक्ता लिख्य विक विस् नाम यह इया। देशवाम करह साम शिक्टित ग्रेग। धारेक के हिस देश याम मक्ति।

> ভথাৰি উপৰাশ লক্ষ্য শ্ৰীযুত্ত গোষামি কান্নিকা। উপাব্যাস পালেলো বস্তবাস গুণৈঃ সহ। উপৰাসঃ সবিষ্কোঃ শৰ্ম ভোগ বিৰ্ক্তিত। ।।

क्षिक हि भूका बाहा हम्मन क्षित्। शक्ष क्षत्रहात कात हे उन वनसे क्षित्राक्ष अनुकन अहम नहिंदू। रहशायनाञ्चन मकल क्षित्राधित ॥

ख्वाकि द्रणांशात्काला माठाठरणन ।।गक्कानकात्र वामारित मुक्तवालामूरनभाव । छेभवारम हि मृद्य के पद्यांतन महासंश्व खुनक रेत कर केन भाभ कहि बारत । विश्व करमात सम्बोन नाहि करत । हे खिरावत सनिक्ष निर्देश स्मितन । निकार करित सम्बद्ध

क्यारि भाभाविकाकानि मृग्डमा। विक्रिन्तानिका किल्लामा मनिवस्था मिनिका स्वयन मिन्द्र राजनीत

निवार जाताका विकास निवास भारत। क्रांसिक देशका के स्वासी

क्रवानि भागाउरणमेत्राकानि। जनका छात्रनः मृतः निक्तवाणक रेनन्नम्। अकामभार्कमक्कीत छेशयानः भारतनिकार।

ক্রিডিজ হয় যদি পাবভী দর্শন। প্রায়তিতা হয় তার স্থ্যাবলো

्ठ शार्ड विक् श्रारनाज्य निक्रकि विभाग। जगान्ता

পাৰভার শাসে বৃশি আদিতা দশন ; সন্তায়ণে প্রান্তি নিজ প্রতি ক্ষিত্র প্রাণ্ডেশ হার ভিত্তি বিশিলে। সংস্থান বিশ্ব ব্যক্তি প্রতি বিশিলে। সংস্থান বিশ্ব ব্যক্তি প্রতি বাদিতা দশ কিন্তুর দচ্চিত্র দিতা দশ কিন্তুর দচ্চিত্র বৃদ্ধ ই তি ।।
বিশ্ব বিশ্ব প্রতি ক্ষিত্র আখ্যান। ক্ষান্ত্র ইন্তি ।।
বিশ্ব বিশ্ব প্রতি আদির হবণ। সংবাদিত হৈব বাদা হোল।
বিশ্ব বিশ্ব

क्षेत्रके क्षेत्रका क्षित्रका । क्षेत्रका महानाम क्षेत्रक विकास विक्रोर (श्वक्ष्णकाश्चित्रकार महाने द्वार क्षेत्रका अर्थ द्वार क्षेत्र कामाना मण्या क कः । विश्वकृतिक वृक्षक महाना श्वास क्षेत्रका क्षेत्रका वहना দশ্মতি সংখ্য করিয় বিক্তি ইন্ডির ইন্

कथारि পारणाकर रतिज्ञा विकारम ॥ मन्नभा न भन क्रा वृजारर निम्नरज्ञा । ज्ञानिरम्न विदेशिन क्रम् कीकामि मक्टराया।

्रिम्बर्कात विरम्पत् करिया किए श्रुमा खबर्ग जानम मह जियका छत्र अक्षण्य कर्णा क्षण्यक कर्णगाम । कृष्ण कथा खब्ब क्राक्षत्र कथाश्चाक अक्षण कार्यम जात कृष्णत वन्तम । कृष्णमाभ निवस्त पुरान कीर्षम्॥ भूगो १७०५ छर्णवामो देश्य विर्मान श्रुम्य श्रुद्ध मना स्टेव छर्णाद

- अभि विक्यामी करते छ॰ र तिक कि विनास ॥

कर्मण ठळ ने भाग छ० कथा मुन्नो पिकर , उपक्रमण

उनाम के दिन मुन्नो पत्र ॥ उपनाम करत्रहारक क्रांट्या

का मनो विकित्र ॥

# विकास के मिलिया।

ल्यार्थ का गर नेतर प्र

क्रम्बाक निरंत (वर्ग बाहरत निर्मय। कहित त्म मन कथा व्याञ्च महमाहकः)। तुक्क प्रयोगित देव के श्वतान निरंत । व्यनका विश्वाहक काम क्रिया वर्कात।

खिशवाम विद्य केल नाहिक कि मिन। कति बारत शारत द्वारत खेवन खावन ॥ व्यामिनमिन् पृष्टि खेवन हरेव। म खेडन खान कति खेनन मिनित ॥ मृत्यत्न बहत्व हरा माछे नाहि रहा। हीकामध्या बाङ कति मिनिया निक्ता।

उथि कि छा। अस्ति र रितेशक जिला । वृक्ष वर्षे मान्य । वृक्ष वर्षे मान्य । वृक्ष वर्षे मान्य । वृक्ष वर्षे वर्षे वर्षे । वर्षे वर्षे वर्षे । वर्षे वर्षे वर्षे । वर्षे वर्षे वर्षे । वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे । वर्षे वर्षे वर्षे । वर्षे वर्षे वर्षे । वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे । वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे । वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे । वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे । वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे । वर्षे वर्ष

कर्णवान निम्न कम्पान भूनःभून। यनिकद्ध अक्वांत छ। इ.भ . ६ । ६ १ रम्भून शुरुष्ट वर्छ निवाम गन्नन। वृष्ठामांशा विद्य कदन मध्य भाद स्था क्रियामी १००१ यनि ब्रष्टावणावस्ता भना । १८ नाहि स्य कदि,

তথাতি দেবলৈ নোড়ং। অসকজল পানার্চ সক্রায়ুল অক্তনাং। উপায়ুল প্রস্থাত দিবাখাপাচ্চ সৈথনাং। কিক্ স্ত্রাপ্রতীয়ন বিবাদাপক সৈথুনাং। অসকজল পানা

किर्मात्या प्राचारक का कानि। शासम्ब (गरेतम स्थनक वार्या विश्वालको कुर्णन कात्र शतको ज्लानं । शतको निर्देश यनि करते अस्तर्यको विश्वती कि स्वतकारी तक यनि कहा न कर्मा हो स्वता

#### श्युष्ठ निन्ध्य ॥

তথাহি বুলচর্গ বিশ্বাভানি চ তে নৈবোজানি ছবিভানি বিলাদে। প্রীগাং ভুশ্র কেনাৎ পানাও তাভিঃ সংক্থানা দপি। বিদ্যুতে বুলচর্গং নারদেখুত সক্ষাৎ।। একাদেশী হেত ক্লেব করিনিভ্যাক্তন। স্বায়ণকালে মই।পূজা করি সমাপন। জাগারণ করিবেন সর্ব বিভাবরি। এইনত জাচরিব উপ

ङ्शानि अगुड शायामी कांत्रिका। षरणामिकार्छनः इत्या नित्रवाद्याय नवार्थिकाः। क्रकामात्रः मही श्रृज्यः कूर्या। ब्लाशत्रवः निमि॥

অতঃ পর প্রার কহিয়ে প্রকৃষণ। পুরাণোক্ত মেই সেই করি নিধে দন । রুক্ত হারু উভয় পক্ষের একাদশী। বৃতীহঞা অবশী হইব ইপ্রানী ।। ক্ষানকরি ধৌতবন্ধ করি পরিধান। বিভেন্তিয় হইয়া হইব শুলাবান। নানা বিভালেতে করি পূজা আরোজনঃ মধা বিধি পুলিবেন প্রবিশ্ব চরণ।।

ख्याहि जागत्रत् श्रेषामिकः रतिष्ठि विनास त् क श्रूता त्वां जः। वकामभागि मुट्डी श्राको मित्राहातः समारिख। बाजा समाधिधारसम धीकवामा जिल्लिक जिल्ला संस्थाना विध्वपिष्ट भूषात्राजि समाहिक।

मुण्यान क्ष्मित्रोत के बिक्क विकास के विकास के बिक्क के

### (वन क्री के भी भाग ।।

उपारि वर्षाकिक श्रिक्षिक विनाम ॥ में श्रीनी से उथे। ंबर्टि मोर्ट्स रेन्टबम्हरेकः निरंतिक क्रिशानि वेख विरेधक्त द्शिमाणि गणि-रे-:।। ভाउँबर्मानाविध म्क्जीकवाम्। मानः ্ হারঃ দশুবং প্রণিণাতৈক ক্যুলটিক তথোন্তমেঃ।। এবং

नरश्या विधिवजाको क्वां ८ एका भद्रः ॥

विकाशताया देशक कति कागतन्। कृष्ककथा किया नामकद्व (यहक्त क्रीकृत्यन्त्र ज्ञान । एटे क्रवस्त्रं भगन। इहारू मध्यम् बाहि केल । सिद्धमन ।।

्ठथोरि तृ एका लुए इत्रिडिंक विनाम । कर्थार बां भी विकार इंबालिक्य्याविक् लेबाइन्ड। याजि दिक्यालेबः बान्य नर्दा - BAR 7- MUST

क्षकामभी तु छक्ति छेशवामी बदन। त्रांवि कारम 🗗 इरक्तं क्तिव किया में मिला मिलि ताई निमा भूता। भूतन। ध्रेमाफ मेर्स मिथि मिर मार्गदा

छ बार्वर व एका छ । धका बम्। भवरिम इ ब्रोट बे म भ्या ब ৰবি । তাঞ্চর। ক্রি যথালাক্তি প্রাণ শ্বণাধিনেতি।। वर्थ कार्रजन सक्जन।।

हिरकरि छन वागतन शकतन। वागतिन कविष्यन देशकर वाक न। हिंद्रिक्षक अध्यापक एक । क्या चया व्यवस्था रूका वर्ष रिकार्टी है विकास विकास का वार्क निक लाउन का निकास क्ष्माहित । यह भा ह व स्त्रीक के जिल्लामा में। देश जाम के व নাটি করিব বারনা।

তথাহি গোকাৰী কাঁবিকা। বৈশ্বান কাগবেভাচ তীৰ্থ্ লাংখোদকাবিতং তেভো দত্তা ধ্যং প্রাপা বিভান সোৱা দিকং পঠেও। প্রাণাদি ততঃ আত্তা গীত নৃত্যাদিশং প্রথং। কুর্যাং পশ্যেচপায়ক্যং নার্যেন্ডলেঁই চ ।। শ্রু জ্যের্ণে গীতাদি বাইণ্ নিষ্ণে

নৃত্য গাঁও করি ককোঁর করে জাগরণ। উপসাস করি কার করে নিবারণ ।। ব্রীষুগাদ স্পুরৌরবে পতি মহে। নিক্তিনাহিক ভার বভ নাহি লয়ে।।

ত গাতি পাদ্যোক্তং হরিভক্তি বিলাদে। নিবারমতি গৈঁ।
গাতিং নৃত্যং জাগরনে হরে । বছীযুগ সহস্থানী পাচাতে
বৌরবাদিবু । নৃত্যমানস্য মত্যস্য উপাহাসং করোতি যঃ।
ভাগরে জাতিনিরয়ং শাবদিতা চতদেশঃ ।।

অধ আগরুল দশ্র আবশাকতা ৷

ত্রত করি লাগরণ করে বেরাজন। কখন নাল্য তার নরক থাতন।। বে লনা নাকরে লাগরণ দরশন। নাদেখির তারমুখ শাল্পের বছন।। ভথাকি ফালোজেং হরিভজি বিলামে। যমেন লুভিডং ভনা । লুরকং বাতনাকুলং। মুখন তদাজ্জীবাং বেন দ্র্যন লাগ্রেগ্র।
শাল্প লাগরণ বিধি।।

मागतन न कर क्षम रेवसंस्वत गर्ना क्षितिकोड नकाक्ष श्रीक्षक एतन ॥ कथारि कार्मण तुर कृतिक कि। मूर्निक व क्षेत्रों में कार्यकर्ग जू नकनः। यन विक्रः न मार्डन पूर्वा के ने क्षमार्कन ॥ भीठ वाका नुका कात्र मुद्रान भठन। धूनानी भ विद्यानी भूकार्यमा हमाना । क्या अवं। निव इत्कर्का अवावानः। देखिय विवाद गाउ कृति निर्देशम ॥ मञ्चानाणे देख्य भाउ विनिधिक देखा। अधिनय स्ट शाविक्याहिक कृतिव ॥ शीलांच्ला ज्यांत्रिव आने किन्छर्का । अन् विकास नमकात शिक्करक कृतिया। निर्दाम प्रस्थितिक त्रिक त्रिक स्टूब । सार्थ्यर भाउः जिक्करकार कृतिया।

खबाहि खाम्माकृ हिन्छि दिनार !! शोक रानाम मूठाम भार व भेठेमर छदा। बन्ध मेला देसरामाः भेका ग्राम्यालमा । कन सर्गा कर्णा महाग्राहर विद्यासिकः । साम्याव ग्राम्याव विद्यास स्वाप्त कर्णा सिका विद्यासिकः । साम्याव रेठवरमण्डनाष्ट्रभाभानामा नि वर्णना । स्वाप्त कार्योक्ष व्यक्तिका विद्यास देशका । साम्याव प्राप्त व्यक्तिक विद्यास विद्यास वर्णा विद्यास व्यक्तिका । विद्या । साम्याव प्राप्त व्यक्तिक व्यक्तिक विद्यास वर्णा विद्यास वर्णा व्यक्तिका । विद्या । साम्याव प्राप्त व्यक्तिक व्यक्तिक विद्यास वर्णा व्यक्तिक वर्णा वर्णा व्यक्तिक वर्णा व

ভথাহি পান্যে ছাং । র হক্তি বিবাহেশ। যথেবং করুতে বিভাগের বিবাহিন । যথেবং করুতে বিভাগের । বাগরং বাগরে বিভাগেরি

বিশ্ব পর্যান্তার । ধনানে বিভাগের শ্রাভাগা।

প্রাণ্ডির বিভাগের প্রিভাগ্রং বিভারের শ্রাভাগা।

প্রাণ্ডির বিভাগের বাগরের প্রিভাগের বিভারের শ্রাভাগা।

श्राप्त श्री वाल पात पाठक पश्चित । मृद्यातीक कर्वता वाहकालाव देवता स

্র থাকি কান্দেকেং হরিভাক্তি, বিশালর।। শভাগে বাচক স্যাথ জনী চনতা-চকরিয়েৎ।বাচকেস্ডিরেশেপ্রণেপ্রণেপ্রথম-পরিছ।।

## হারীবাসর সীপিক । অব কাগরণ নিত্যত১।।

প্রশরণ এতবান সমাধি আচরে 1 ভাগনী সাগর বিনা

क्योहि कात्मा खर्भ इतिकक्ति विनार्तम ॥ म भूतकतना । भाषाः वृद्देवनारेन मंगाणिकिः । विनारे प्रावि विश्वास्तिः विना शामनी कान्नद्वरे ॥

দাগরণ প্রতিত র মতি নাজ্যায়। প্রাক্ত প্রতনে সেও অধিকারি নয় তথাহি ক্ষান্দোজৎ হরিভক্তি বিলাদে। মতি নঁ যার্থে হস: ভাদশ্যাৎ জাগরং প্রতি। নহি তব্যাবিকারো তি পুঞ নে কেশ্বসা হি।।

.পথ জাগরে গীতাদি নিতাত্বং ॥ 📜

সুকরৎ গান পাঠ জাগতে না করে। সপ্তজর মূকত্বকে পাত্র লেইসরে।।

क्षणीह कात्माकर वृतिवृद्धि विनादन । मूक्तविक्षण्ड १६/देशीनर भारेक नाष्ट्रदः ॥ मश्रक्षणानि मूक्ष काय्यव जाशदक्ष स्द्रा।

শাগরণকরি যেবানৃত্যন। হিফরে। নপ্তদমা নইপন পঞ্জা শাচরে।।
ভথাকি পান্যে ভ হরিভজি বিলাসে। পঙ্গুত্বং স্বারভিত্তি
ভন্য নপ্তথমানি পার্কভী।।

व्यथं कार्यक्ष वाश्वार ॥

गत्राकृत्म भागमान्। शिक्षनाम स्टा । शिक्षशादम रह दिह यक्तरक णाहरत ॥ बागमीरिक गाँच माहि कात मात्रत्व । काद मूक्ति शास्त्र नाहि रह भूगोबना।

Walfe Male at Bourest Bienfon faithe i a wer

#### इंडिक्नेज़ सार्श्सा

# विश्वासिन में कोसे बहाकित्य:। श्रेका मूकि योगावि विश्वासाननी सामग्री

मधा उन्निधी कि शहरतक को शतहन। नहमु करकत लील हरत उ महरन।। " उन्ने कि शहर के मरहिलाका १ वर्तवहनालि यह कुर्या। क्रायली

क्रांत्रक्ष शहर शहर निवास कर कर निवास क्रांत्र शहर ।। क्रक क्रीत का शत्रदान त्य विधि कत्रन। इतिस्क्लि विनाम मृद्धे क्रिया শিশ্বনাংগ্ৰন্থের বাছলা ভবে প্রমাণ না দিব। যে কিছু কর্ত্তরা তাহা अभ्यक्तरसङ्गिवियः।। धुनर्नाभ भुन्नानिएक कदिव भूक्ता नव्क **७७वः मार्ज मार्ग ।। देवर्य मा शक्राय मिया (जा**र्ग मार्गाहेव । ছামুল কণ্ র নহ জীঃ ফ অপিব। কণ্ র দহন করে বৌন গি कृतिया मधि मुख की दामिट सान कड़ारेव।। पिना वज खरा काव के के छेड़का। क भी ब बारभाव मुका क्लाब कतान ११ गृजसम सह सद विवन श्रिक्तामय अप्यान कवित विकासना ने कार्यक अव्यविकामात्र । मक्न्यू द्व कांत्राविक कदिब कांत्रा है। मा अक्रिका कि जान क्षा देव । खित्र था जिल्ला कि का कि शिव भिन्नुनाम शे जा बात नागित्यांकन। शृंबा बार अहे नव क्षित क्रिम । माक्नारिन नेम बाल शिक्तन खन। मूब्रम्ब (बर् बार्ख कतिराम कर्गी गर्काका निवास मुख्या निवास वास्त्र मानतित । भौगो व्यात तस्र वृत्य श्रम मूर्टमानिय ।। श्रह्ममात्य नर्डकारि शीव द्वार्थ र दिव में भूर्थ मील माना का निव।। वान्तिकी दीमायन विकास के विकास के मिनामा के जिल्ला । के जिल्ला अमिद्ध निर्देश व कम निर्देश किया व ना निर्देश ना शिक्ष क्या । असी मन गर्रान गार्टेत केन त्यह अवस्तिवङ गार्टे करा इस्तानकी 

नातिन ॥ द्या माना निक्ष कृति । भारत व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति विवक्ति व

। श्रेष्ठीक समितिक अहमी के मेरे । मछरत्र পারারেক্তিবিশ্বভাষার।। ক্রমান্ড্রাদিক পাল বে নৈ কেনে নর क्रम विश्वरा गरी चलत निष्त्र ।। क्षारि स्थाप नर रिश्वक रविवृद्धि विवास । वानि गिकिशाली अवश्याकिकांकि । हेक कांगतर वानि विमार्गिष्ठ रेक्ना ॥ পাৰ্যন্ত প্ৰকৃত্বৰ অগাৰ সমূত্ৰ। পদ্ধিতে নাবি তাহে মঞি অভি म्बार रहिकेकि विकास कर हम मरकृष्ठ। बामि मूर्थ वृतिकादत माहिलाबि करें। जातमधा क्या किए विकास देशन। शही बेंधव कित नर्रकाल निर्मिण । रिक्का हत्रन दिन कित्रत छवन । छेर्रा तिम किन कर के दिन बर्जन है। नमा छम लाजा मीद्र विख्या व दन का की निक करह धनान (मार्ग।। হার বাসর দীপাকায়াৎ এহরিভজ্ঞি বিলাদান क्षार अकामनी धकद्रात छे भवाग किन कुछ। वर्गन का शक्या गर्ना । द ।। विक्रिकेटकी रेवंबर हर क्रम निका मरवादनव हिल्लिक कि की नगा शि मेरश धनरे हैं। कि करा करा निकामिना। करा दिक हेट करा देशीय करा भीत मिनेक्का कतिहास जनमे। स्वत् कृत्र मर्क देव स्वत भारतिक क्रायंत्र कतियो भारति। वियोग कतिव नक्षिति भीता शास्त्रमान कविकासमानम कविता। उन्हाद छेन्दाम क्षा क्षा । ति विशिष्णी स्त्र क्या शावना हित्र । वर्जना

রাত্রিকং ক্লাভারতী প্রাধাপ্য বৈক্ষণান্। প্রাভঃ পুজাক নিশাব্য ক্লেড তৎ সর্বাদপ্রেশ। প্রাভঃ মাছা ক্রিং পুজা উপরাসসমাপ্রেশ। পারণত ততঃ স্থায় ত সিদ্ধোধ্রিং শারেশ। তরসমাপন মরঃ। অজ্ঞান ডিমিরাস্য রাতনানেন

(कन्न । टमी ए मून्र्यांनाथ खानम्यि श्रामांच्य ।। निकाक्ष्य (यदा किन्न् क्रियां ममाधि । बाक्ष्य (च जन क्राइव था क्षिता क्राक्त निर्माक्ष्य (यह जूनमी स्थेत । धामने व मर्द्य एका ज्ञान क्रियां।

चराहि रिविक्क विनाम शाचामी कार्तिका। निर्वाहकाः ममान्याच भक्ता विद्यारक जानदार। क्षीछ जाननी

মধ্যে তুলদী প্রাসাপাবন । উপথাস করি বেবা ঘাদদীর দিনে। গ্রসাদ তুলসী নিজ্ঞার রয়ে আজুনে ॥ কোটিপাপ হৈতে সেহ হয় বিমোচন। পার্থ দিনের

क्याहि कारमाख्य इति खिलाम । क्याहि वापना । क्याहि कारमाख्य इति खिलाम । क्याहि वापना । जक्या चारि चापनी मिरत । हैनर्व मार जूननी मिनार भाष

द्वारी विनामन्।।

শ্ব হরিবাদর কাস পারণ নিবেষ ॥ . . . .

श्रुव अवद्विवागत कालनिक्षणन। नाज जन्नोद्य कृष्टि कड्व अवस्।।

केशाहिकि। कि विविधिक विवास । बामरेश्वाकामको ।वाल विवास द्विवास । धकामका ठाला एक सामना। लेक

कार्वि । इतियानक देशाङ क्लावनर न महाशहाद ॥

क्रमाननीत चार्क शान वास्त्रीत क्षत्रमा क्षेत्र हे शान र क्रिमान रीक्का ११ क्लामको मानकी का क्षान सक मध्य हम । कांत्रक क्षेत्र ्र होत्रवामतः साधिका।

ख्याहि दिव्यस्मा उत्राख्य म्बिक कि दिवासा। वापना।। अथग भारता इदिवासत्र मुख्यक्या उनिक्रमा क्सी व भारतथ विक्षु उपभाव।।

বাদশীরপ্রথান পাদকরিয়াবজ্ঞান।পারণকরিব নর্মা বৈক্ষবের গর্মা ভথাহিকাত্যায়ন স্থাক্ত॰ হরিভক্তি বিলানে। দ্বাদশী পুরি পাদিয় ভঞ্চেদ্ধারবাদরঃ। দ্বাদশ্যাধিকা তভিত্তেৎ প্রিপাদিয় ভঞ্চেদ্ধারবাদরঃ। দ্বাদশ্যাধিকা তভিত্তেৎ

ছাদশী প্রথম পাদ পারবের দিনে। অধিক থাকরে যদি করিবে মুক্ত মা। ছাত্রমধ্যে কদাচিত পারব নহিব। আদ্যপার ত্যাগকরি প্রারশ করিব।

কাৰি ছাদশী যোৱাতিকমেৎ। ব্যায়াদশ্যক ভূজানঃ শহৰুমানি নার্কীং।

পারণাহে ছাদশাকে করি অতিকর। ব্যাদশী তিথি মধ্যে যেলন ভুজার ৷৷ শত জনা অবস্থ ভুজারে দেই জনে ৷ ইহাতে সংশয় কভ না

ক্ষাৰি ক্ষাকং হরিছকি ছিলাবে ১ কুলাছর বাজন ক্রিণ ছাসলী মে ছিক্সমেন। হাতিকাতা ছাদলীত হতি ক্ষা শ্রাক্তং ইতি।

पार किया जिल करा आपना अधिकता कार्यमध्य भारत्मक स्थेर स्वरूपा कार्यमालाक कियान अपनि स्वता । शर्मकृष्ट श्राना कार्य

#### 可有 克斯 中間 [1

क्याहि करियां छ । इतिक्षि विमान । चन्नायां मध्य क्रमाक । मध्या मक्रमान्त्र । सामाक में किया कार्या नाम रहायां नि में यूका । क्याह भारत्या छ र हिंकि विमान ॥ बमा क्वि हाल्लाहि बामभी भारता नित्म । क्षेत्रकारम् बम्भर क्वार श्राक्ट मध्याहिक १ कथा।।

शिक्षशादश्यामित । जन्म यनिवतः । जाव-छेयाकारम अक्षाक्तिकापि कित्र। रत्र ॥ यानाकिन विका कार्य) रशम थाणि पान । अकरनावत सारमदे कवित नमाथान ॥

कथाह कात्माकः इतिकक्ति विनारमः। जनका। नेक्ट्रें श्रास्त्र भात्रभः द्वाविशा घरहः। रुचिरेन वानिकः देनवाम ने निकक्तिभूक्त वा देकि।।

জন্মতি কাল কৰা পৰায় ভোজন। মকুল চনক পিলিলিক। দ কৰ্মীনিলিলৈ বিলিক আহিলিক ছিল ভাল লো কতু লা ভঙ্জিৰ ইবা ইয়াৰ বিলিকে য় কাংলাপিতি ছালিকীকে প্ৰজ্ঞান হিলা নিব্যাভাৰা উষ্থ কোৰ তৈল তেয়াগিলে যা প্ৰবাদত নাত্ত্ব লাওঁৰ লিল পালা। কৰাৰ লালত প্ৰাণ কৰিব কিম্পা। ব্যাহ্যকানক কাণ্য কৰু না ইয়াৰ নিম্মানিল কোঁত সভালল ভালিকিলা কতু না কৰিব হুছে ইয়াৰ এইবা ইন্দিলিক লোক কৰিব কজান। এইল কৰি ইয়াৰ কৰিব কৰাৰ নাজনক তেই সেই কৰিব কজান। এইল কৰি কাল কৰিব কৰাৰ নাজনক তেই সেই কৰিব কজান। প্ৰেটিক কাল কৰিব কৰাৰ নাজনক তেই সেই কৰিব কজান। প্ৰেটিক কাল কৰিব কৰাৰ নাজনক তেই সেই কৰিব কজান। প্ৰেটিক কাল কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কলিব কৰাৰ কাল কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ যাত্ৰীক কৰিব কাল কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ বিশ্ব হাৰীক কৰিব

के कि कि दिवागर मिनिकाशः कि दिव कि विभागने निका कि विभागने कि विभाग कि वि

बायर क्रिक्ट ना जय निकानिका जयारेनु क उट्य कर श्रीहरू वृत्स वर्ष अवनी मानकी बुक्त निर्मात वर्ष स

विषयां विषयां प्राप्त विषयां विषयां विषयां विषयां कि वि

ज्यारि रतिवृद्धि विनारम (अधियो काहिका मारीको) अधिकानी वानामपूर्णामामध्यक्तिवा। विकृत्यका वानका एक सम्रद्धिक प्रमित्वक प्रमित्वविक सम्बद्धाः

भागेको रा धकामनी म्यना कविक । तह छिनिक्स संगापिक हैर रह कुछ (क्षेत्रके क्रिंग कुछाई एरेर किरक कि भागापिक हैं कि छह काम विभिन्न कराहणा कामभी महना करते हैं के किरक क्रिकेटरर कर मुक्तापुक बानकाभवाम ग

क्षांवि इतिकां स्थिति मार्थ्यक्षता छ । स्वर्ग म्मा विक्रियामणी यक्षिणकारक । स्थाना व्यवनी कर्र्य स्टब्स भेजानिक भारत्या।

विशासिक विदेश प्राथमी वर्ष । काशास मुख्य छन निर्वेश विद्या ।

को वासनीट मिन मुख्या निर्मात । स्मेट काशमी मिटन के भवान के की मास्त्र काला कि कि मिन के स्था कर्य काला मिन के कि कि मिन के स्था क्षा कर्य काला कि क्षा कर्य कर्य क्षा कर काला कि क्षा कर कर कर कर कर कर कि कि मिन के सिर्म के निर्मा कर कर कर कि कि कि मिन के सिर्म के निर्मा के सिर्म के

उप गर्श हिंडि कि विकास धारामों का किया। विकास का नरह खक अकामनी रहा शहरिन मामने कि मुदना निकात विकास का नरह खक का का माने के बाद का निकास का ना ना का ना ना का ना ना

विक्रेष्ट्र स्था कृषिक कि विकास (श्रामाणी का विकास समास वास वृष्टि भूटक रेनेन कृष्णाम् कामकः। मेट्यामि वहम नास वास कञ्चल विक्रांक। अन्यार्थः।

श्रुक्त निर्माश नारेरण समायुक्त मा कतित देशाह बहल नेश्रह रेडोड्डिंग रहान देशा बांचक ना १३। साझ त्य श्रुक्त साह छात्रा कर्ष करें।।

कर्मिश्री स्क्रिक्ति विस्तान कवित्ता खाना करे। असामकोर. क्रमारेनस ब्राहणीर न्यूरणीयांकर। क्रमां विधियांण नेत्र बकावनी माननी केस्टर करनीयन । अञ्चलक विविद्यान मा देश करना बकाननी माननी रचयह किसि एक । केस्टर्श केन्छ। वर्ष बहुट करन ११ हेथिमाथा अख्यानक बहुक नहन । काराब मुखान किस् कन्न मुनन ॥

क्रकारि ভবিবে। कर एदिएकि विवास । अने के खे कि कि इत्स चरेकरेठका क्यो किता । छे बताम बुध्द स्वीत मुख्या मुख्यो किता अमार्था

ব্রত্য করিবারে হয়েত অশক্ত। শুরণাদাদলী দিনে ক্রিরেন বুঁড ১৯% প্রথানে বুড দুয়কে স্থাপয়। পর্কিনি প্রথানেতে সক্তি ত হর ॥ পূর্কবিধি হৈছে পর বিশি বলবান। এইত শাংক্তর নার্ক্ত আছেরে প্রাণ্য

खन्यथा कांक्कांक विकारण नावमीत्र मुख्यः। हरशामानं मानमोर गुन्ताः विक्कारण न मरवृत्व । धकानशास्त्र र मुन्तिः नव शारम् किंग्नमानः हैकि। चन्तार्थ।

म नन गुनना गुका म्त्रा विश्व इस । त्न इक मामनी विदेन युक त्य करे दे हैं। त्न है ने कराम भी कृता शास इस । दे हैं। त्व न भारति हैं के निक्स शास करें। जा दे विश्व करें के निकस शास करें। जा दे विश्व करें के निकस श्री करें। जा दे विश्व करें के निकस मुद्र मुद्र के

रेताके आवरिना वर्षक बरावत के किया दिवाही में हैं में हरें हर

भद्रशास्त्र । भत्र । भत्र

विश्व स मामभी क्षेत्रा न केंद्र गुर्वश्व प्राह्म क्षेत्र केंद्र है उन्हें राहिना। त्नहें मामभी धारा। क्षेत्र खोरा। मय । खोरा मय । खोरा द खरा क्षेत्री है कि हो। धर्मत्र व व्याधिक महिल्ला का रहा। धर्मत्र व व्याधिक महिल्ला है कहा है कि वर्ष । क्षेत्र भाविक महिल्ला है कहा वर्ष ।।

े उथाह मुदना मामभागः शृहक्ष अविस्कृतिक आविष्टिः। भेरता तामभी श्रकंत्रन त्क कतित्रा। त्य किष्ट्र मिथिन छ। स स्व सन पित्रा।।

তথাকি হরিভ জিবিলাসে। তিথি সক্ষয়ে। বোগ বোগ কৈবনরাধিপ। দিকলা বনি লড়োত সক্ষেত্রাই থাকিকঃ ভিতি সক্ষয়ের বোগে যেই বোগ হয়। দিকলা থাকিলে স্ক্রমানক

তথাচ মাৎসে ব্ৰুতি কৰিব কি বিলালে। ছাৰশী শ্ৰেণা মুক্তা কৃত্যা পুনাতসাং তিথি। ন এলা তৈন সংগ্ৰুতা ভাষ তে,ব প্ৰশাস্তত ইতি। শ্ৰাগিঃ।

्यानी मुन्ना युक्त जिथि मुनाकम । मुनामाझ क्षेत्रनी क्षिण कर्म ति करम । आह अरु समारनह जान देश देश । जाहाक हे दिए सन प्रमाशामा । सर्व महाबामनी हे तुर्व विवि करमा स्वाधिकान की कार्ति (याव ने कि वरमा । देशांक मत्मक विवि कर्म कि क्षेत्र की कार्ति कि निमान (मिन के हिएक के लिएन ।। तुर्वेत्र रेतकार्यत के विव हर्द्र विवि । वामनी ह क्षेत्र महिला मिकि ।। अर्थ कि निमान तुर्वे गुराह्म विवास । स्वाब देशांकि इस कि निकास ।

वारमध्ये नरक्षात्रकः ।। बारमध्ये विकास वित्र मृतके सानात्र से नवारमक्षा करात्र वित्र हत्र १। स्वर्धे करातमा विस्त्र केशवात्र हेस्त । पात्रमीक विद् नाक्षत्रमाहित्त ।

कार्तिका यथा। देवस्य मुक्कान्त्रक कृष्टिविकि बाबादिती कृतिश्राक्तिक जनस्मिक्तिकार्थः।

शावारमें महत्त्व कान नवरतं न वर्गा वामगीत नहें विन न व्यक्ति।। अकेश्वभा नह्माठ ग्वना मुक्तरते। छान त्नवे बकाम डेशर्या करेत्र।। बकामभी बुख्द स्वयः अर्थतः। ध्रमान कर डार्या निरम मुद्दे स्वितः

का वर्षा आवित्र विश्वास हिन्द्र विश्वास । केल्या वेस्त्रक विश्वः अञ्चल श्रीकाकात्वम् । दिर्द्यामाध्यम कुर्वर ग्राविष्टक सार शक् (क्रमदेश क्रममा ११)

के कहा (मनके हिस्कुश्वां में बहन : विक्रिय निवास नवार शर्म स्थाह इसके के विज्ञास विक्रमहार्शास्त्र । ध्वर्गाक्यो स्थाह स्थाद खबर्गन महिक्या विक्रम ना किथ (क्यांक्रा स्थाद स्थाद क्यां के कि समार्थ ।

A STATE OF THE PERSON OF THE P

श्री है। बायभी है जिस्त की मार्किक कार्य । वार्किक रहेगा गारा एक श्रीकार्य । चला भार श्रीविष्णुका विश्वत्य दिन विशि चार्यक्र कारो कि कि वर्जना।

उथाहि माध्यमाञ्जूष इतिकाल विनारम्। मानमी स्वता कृष्ट कामाद्रका संभीत वमा कि जब देव कर्या (वान विक् भू वन मध्यात देवि शिक्षमार्थ।

खना वा प्रभोदक वित स्ववंशी ब्राह्मणां । त्या वेट वा शाणी वित महिला कि का प्रमाण । क्षणां वा प्रमाण त्या प्राप्त त्या विकास का प्रमाण । क्षणां वा प्रमाण त्या प्रमाण विकास का प्रमाण का का विकास का प्रमाण विकास का प्रमाण का प्रमाण विकास का प्रमाण का प्रमाण का प्रमाण विकास का प्रमाण का प्रम

Sent all allow the sent and and all an

त्यास्त्रं भारते याचिक बनाटि श्राट

अहे विक्रू म् चालत कात त्य विकि भारत । काशक विविधत कि रिकारवत त्राना भारतिक मुद्रनाक व्यक्ति थाकत करवळ काम में वारका भारत निर्म ।

তথাহি হরিভক্তি বিলানে গোষামী কারিকাঃ তবৈব ভাগশা সংখ্য পারণং শব্নাধিকে।

विक्रीत विक्रम्भागत करिन कथन। धकमन देशका खन देवणा

क्षाहि कि शरमाच्य केल हित्र कि दिनारम । अकामणी प्रामनी है किया मिश्रिक कर्दि । कियु म्यू में का मिश्रिक सामग्री क्षादि के किया शावनार क्रिक कि प्रामन के किया स्व श्री सिका क्षा शावरमध्यो कि । स्वाशाय मार्थ मिल्की किया क्षा शावरमध्यो कि । स्वाशाय मार्थ स्व स्वार क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा मार्थ स्व क्षा क्षा मार्थ स्व

क्षित्रको नामको अन्यत्र करें जिला । जिल देर तका काल करि क्षित्रक । जात्रका गामकोत्र करि स्त्रकत्र । तके विन केल स्त्रेत (तक्ष्य । बाह्यस्थी । विश्व कथा करें शासका विकास महारोह करें दिन्देन । जुन्नेस हिम्मेशकात स्थास रक्ष्य करें। जा

Salis famous man seculturis tenter i plater) seculturis presente permeter consumità contrata seculturis presente etter mariante.

The first see of John Control of

त्यांग करि मार्थि छ हेन बाल है त्यांक विवस्त बर्ड कर्डता निक्त । भन्न विन कामभी एक भानन निर्वत है। कामभी त कर बिव हम त्याहें भिरत । छर्द करिया क्यों किर्द्ध हरेंद भान ति ।। त्वि कुम्बि व्यात्म क्ष भीरे देवल विवेतर्ग । बेक्का युक्त क्या बात खंड का ठाउरम ।। भान त्वत विवि अन विकट्दन भग । श्रमाना नृजाहन हरेंद के निरंत्र मिथने ।।

তথাহি হরিভক্তি বিলাদানুসারিণা ংগোরামী কারিকা অসুবৃতিধরোরের পারণাহে ভবেদ্যদি ৷ তথাধিকো ভিথে বৃত্তে ভাতে সত্যের পারণ- ৷৷

बाक्यों भ वेशा विष पूर्वे तृष्टि रहा। तृष्टि रका शह नित्व त्य किये बाक्य ११ डाइम्बर्श साम्मीक यदि रस नाव । त्यारेड बास्मी संस्थे स्वेत शाब्द ॥

क्षि श्रीतक क्षि विनारन मात्रमीरशाक्ष्य । विधि मक्ष्यां क्षी वारन क्षेत्रवारमान्द्रद म्यना । शाबनक मक्ष्यार मान्द्रिक भा मर्श्मेत्र । भन्नश्रीवंश

पिठांच क्षक (बोरन रगरे डेशवान एत्र । अटलंड ना क्या देशक शाहिन ना एक ।।

खथारि इतिवृद्धिः विवादिन नावने रशास्त्रः। सममा कृष्ठि व्यक्तिका विवि बर्रधारि शावनः। चानभी नं पन स्वारवाः बरमामभाकि शावनाः। चमार्थः।

गोविस्का: किवि महश्र स्केट गांत्रन । वह भाव रत्र (नरे मामभी

विनिध्न नामके रहा छन्द क्षित्र कि विनासिक । अवेश करण विना नोरको जोस्ति भावन बीहिकश्चित्र वाह्यो भावनश् विकारिककानीक सम्बद्धा कथोदि करेरवर्षी खर रही छ निवरम भातवर कुर्या। मन्त्रभा भावन करवृद हैकि।।

द्वांत्रणी भारता मात्रताटर वृक्ति एक । वृक्तिश्वा विकासाटण बारि मॅमिन्नक ।। निवरम शांत्रन ७८व रेश्व (महे निरंब : श्रांतिकारम शां न 🎆 कमान्द्रन ।। विक्या वुष्डत्र विधि विद्राप्त कथन । अविक्रु বোৰ্দ্ম বিধি বিৰৱণ ।। যৈছে উপৰাস লার বেমতে পারণ। এ লংকেপেতে করিনুবর্ণন।। হরিভ,ক্ত বিলাস এছ নিছাত পোট ৰানা প্ৰকল্প ভাহে কুঠরিং।। ভক্তিমান পণ্ডিত সুবৃদ্ধি দেই ্ৰেইত করিছে পারে মঞ্লোদ্বাটন। লামি অভিসুধ **भृतिः है भाति । अववाजेन पूरत वह भ**िर्मवादा माति ॥ श्रिजीति विक्रदेशको त्रप्रयनि भव । अवन कत्रिया करत्र केवय ज्वना। रेजस्य ষান কোন পঞ্জি সুদ্দ। ভদ্যারাতে করিয়া কিঞিৎ উদ্মুখি महामनि स्रा शक्रामणा अक्दर्भ। ध्र स्टमल देशक जका देकन अस् काम्बद्धां कति चारम् मुबार्व संक्षित । यात त्याका नर कत कर्श <del>ট্যু প্ৰিতের বেহা ই</del>থে অত্যত হইব। ভাৰাগ্ৰন্থ ৰ লি विक्रिक्तिक शक्तांकाना कर्ने भारेता कार्नाका छ रेस्त । यह हीत केंद्रि रेनव ॥ भारत (यवा कि हू इस कदिव व इ.स्था सन देवामध्य । गर्ग ॥

भन श्रीयामन कामणी द्वाट ।। वहरत काम्मील विधि कतित्व वर्गन्। श्रीवामन त्वव वाटक न

क्षेत्रकारि काकामी काहिका । नकाशक मन्काणा शणा क्रिके क्षेत्रहरूवका अपि निरम्बनकरहामा क्षेत्र निरम्बक दिलाक्ष्ये । मेश्वक क्षेत्रक परश्च कहि नम्काल । श्रीकाष कहित हुछ निरम् क्षेत्र वित्रम स्वीतिक प्रशासिक प्राप्ति । क्षेत्रकार क्षेत्रक हिला स्वर्तिक ্ৰাৰ্ক্যা নিৱাহারঃ হিন্তা চৈৰ পরেছনি। ভোকে এবাস

ত শরাণাগত বংগল ইতি।।

्रीटक मिथि ब्राष्ट्रि बायन चर्कम । अकामभी जिटन धर्म भूकात

क्यारि भाषामी कांत्रिका । धुकानभागः त्रसम्गाः वा सम्मार वाक्टरंतर श्रष्ट्रः। जनागिकाः।

कर्मका त्रकार रहि सामनी क्यां क्यां प्रधारमकण किल

शिवाहार व्यामा मिल जनाः शानगारिकरां जिन ।

किला उक्तार्ड वामन कर्जन। क्षेत्री वामनी निरम कृति ।

कि । वर्ड निरम वामनी वामनी वृद्धि क्षेत्र। श्रेष्ठा निरम कृति ।

कि । वर्ड निरम वामनी व पाननी वृद्धि क्षेत्र । श्रेष्ठा निरम ।

कि । क्षेत्र काम गाहि तम ।। क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र काम गाहि तम । क्षेत्र काम गाहि तम ।। क्षेत्र काम गाहि तम । श्रेष्ठा काम विविध क्षेत्र काम ।। क्षेत्र काम गाहि ताम ।

कि निर्माण क्षेत्र विकास वाह कृति प्रमम ।। क्षेत्र मिल ।। क्षेत्र काम विविध कृति ।

कि निर्माण क्षेत्र क्षेत्र काम कर्म क्षेत्र क्षेत्र वाह ।

कि निर्माण क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वाह ।

कि निर्माण क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वाह ।

क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वाह क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वाह ।

क्षेत्र क्षेत्र वाह के क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वाह क्षेत्र वाह ।

क्षेत्र किमाध हर्ष क्रेर क्षेत्र क्षेत्र विकास क्षेत्र क्षेत्र वाह वाह ।

क्षेत्र किमाध हर्ष क्रेर क्षेत्र क्षेत्र विकास क्षेत्र क्षेत्र वाह वाह वाह ।

क्षेत्र किमाध हर्ष क्रेर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विकास क्षेत्र वाह वाह वाह ।

ां बटर क्षतक वरेन्। त्य किन् तृष्यत अमानामाने विश्वित् के विकाशितकत करेन्। मिल्लाक दशासाम के केवन स्वतक

কিকাওকর চরণ চিন্তিয়া। মার্কাড়ক পোকানীর চরণ বিক্তিক বিচৰ শানি সেই কপায়বেশ। শানিক্রকাড়া

अपि व्यक्त । इरक्ष करिया क्षक अन् जनवान । जनका

**এওফ ইন্সের আনি করিল বন্দন। ছিড ফ্রেছত** এক দশ वर्षेत्र । कार्बेक्शक्ष विश्वतिकारिक विश्वतिक विषयिक विश्वतिकारिक विश्वतिकारिक विश्वतिकारिक विश्वतिकारिक विषय भाषा है निवित्त । कुछ द्या क भन्ने महाद्याननी वर्तन ।। क्यार्थ मह (अंग्रेमीक श्रेकेश्वर । उथवान किमक कर्र लायर नियन । एसे विश्वित कार्यद्रवाद माराष्ट्र । यह मर्थ विश्वित पाननी निनक्ता कुंबिनरथी रुद्धिन है कि निक्रिकान दिया निक्रिकान को नभी जात विभिन्त । भू बना बानभी विभिन्न वर्गन । मसम मुह हों हा रेकन निवार्गने।। केंद्रिक मुल्लाएंबान डाइरे निर्धन किय क विश्वि छाराहे विक्ति। अहे मेश्व मर्ग कदि अह गर्न रेकन वन्त्रादेव रेशर इ रेश्वाक (व कि विमा)। क्ष्मिति ३०० (मात्र कि। अने व विद्या मन ना दर्ग कोछ।। अत्य त्यन माहि क्ष करिया । अनुवित्र नार्धिन देवाक मना मन शास ।। देवाक द्या भाषाका शकाण । अध्यत्र वर्गन स्मात्र इक्या शका का में ক কোল। কি কোরেকর কল।। কুপাকরি কর সেরি পুপরার मा म मार्किस्ट्रक्षीयाचे व किलिश क्रिन । रहिताचन मोशिक

केषि किश्वितायस योशिकासार किश्विष्ठ विभागा है मासिना र स्वेतायसी श्रीकस्टन स्वता कामणी वर्ण किश्वि विश्लाद समेनरे किश्विक स्वता स्वासं विश्वित विश्वेत स्वास सस्यक्षित स्वति ।

मबायुन्त्रम् अपनिवानक मीनिका अदश्र।

faulten der Seite Gereicher Gereichen der Seite Gereichen Gereichen der Seite Gereichen Gereichen der Gereichen Gere

BELL AT HATTY WATER TO